STAR PLAY SCHOOL

Dear Parents

Today's **Homework** Assignment

👉 **HINDI**

पाठ -3 सच्चाई के कठिन शब्द याद करो।

👉 **MATHS**

Do work sheet of **ascending and descending order** in copy.

1:45 pm ✓✓

A) Write each set of numbers in order from least to greatest.

1) 1,312 5,645 3,245 1,098 2,561

____ ____ ____ ____ ____

2) 7,312 7,645 7,245 7,098 7,561

____ ____ ____ ____ ____

3) 4,578 2,387 1,208 8,998 7,998

____ ____ ____ ____ ____

4) 8,330 4,229 9,278 5,268 7,579

____ ____ ____ ____ ____

B) Write each set of numbers in order from greatest to least.

1) 6,552 5,228 1,002 6,098 7,522

____ ____ ____ ____ ____

2) 4,368 7,998 8,477 2,099 3,563

____ ____ ____ ____ ____

3) 3,215 2,108 4,125 8,267 6,007

____ ____ ____ ____ ____

4) 1,302 5,642 3,945 1,154 2,561

____ ____ ____ ____ ____

गोपाल गुरु जी की बात सुनकर रोने लगा। गोपाल को रोता देखकर गुरु जी हैरान रह गए। उन्होंने पूछा–"अरे बेटा! तुम रो क्यों रहे हो?"

गोपाल बोला–"गुरु जी, मैं पुरस्कार पाने के योग्य नहीं हूँ, क्योंकि आपने सभी सवाल स्वयं हल करने के लिए कहा था। मैंने सभी सवालों के हल स्वयं निकाल लिए, परंतु एक सवाल हल नहीं कर पाया। उसे हल करने में एक मित्र ने मेरी सहायता की है।"

गुरु जी गोपाल की बात सुनकर बहुत खुश हुए। एक छोटा-सा बालक सच्चाई के सामने सच बोल रहा है और अपनी भूल स्वीकार कर रहा है। वे बोले–"बेटा! यह कलम तो तुम्हें पुरस्कार स्वरूप लेनी ही होगी। पहले तुम्हें सवालों को हल करने के लिए पुरस्कार दिया जा रहा था, किंतु अब तुम्हारी सच्चाई के लिए यह पुरस्कार दिया जा रहा है।"

गुरु जी ने सच बोलने के लिए वह कलम गोपाल को दे दी।

बच्चो! जानते हो यह बालक कौन था? इस बालक का पूरा नाम था–गोपाल कृष्ण गोखले। यह बालक बड़ा होकर हमारे देश का महान नेता बना। महात्मा गांधी गोपाल कृष्ण गोखले को अपना गुरु मानते थे।

एक दिन गुरु जी कक्षा में गणित पढ़ा रहे थे। उन्होंने कुछ सवाल बच्चों को हल करने के लिए दिए। सभी बच्चे सवालों को हल करने में जुट गए। उन्हीं बच्चों में एक बालक बहुत होशियार था। उसका नाम गोपाल था। उसने बहुत ही थोड़े समय में सभी सवालों को हल कर लिया और खड़े होकर बोला–"गुरु जी! मैंने सभी सवाल हल कर लिए हैं।"

जब गुरु जी ने गोपाल की पुस्तिका जाँची, तो वे चकित रह गए। उसके सभी सवाल सही थे। यह देखकर गुरु जी बहुत खुश हुए। उन्होंने गोपाल की पीठ थपथपाते हुए उसकी बहुत प्रशंसा की।

फिर उन्होंने सभी बच्चों को कुछ सवाल घर से हल करके लाने के लिए दिए और बोले–"बच्चो, यह आज का गृहकार्य है। इन सवालों को तुम्हें स्वयं हल करना है।" यह सुनकर सब बच्चे खुशी-खुशी घर चले गए।

अध्यापन संकेत : इस पाठ में गोपाल कृष्ण गोखले के जीवन से जुड़ी एक रोचक घटना है। बच्चों को बताइए कि गोखले जी हमारे देश के महान नेता थे। वे सदैव सत्य बोलते थे। बच्चों को पाठ पढ़ाते समय बताइए कि हमें कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए। जो लोग सच बोलते हैं, उनकी सभी प्रशंसा करते हैं।

... लिए दिया गया कार्य